मानविकी एवं प्रबंध विज्ञान विभाग
मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर

'रिसर्च मेथड्स एंड डेटा एनालिसिस यूजिंग एस पी एस एस एंड एमोस ' विषयक लघु कालिक पाठ्यक्रम का आयोजन

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानविकी एवम् प्रबंध विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 27-31 जनवरी

2020 के मध्य 'रिसर्च मेथड्स एंड डेटा एनालिसिस यूजिंग एस पी एस एस एंड एमोस' विषयक लघु कालिक पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया| उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि विवि के कुलपति प्रो श्री निवास सिंह रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज के प्रबंधन संकाय के अध्यक्ष प्रो जी पी साहू रहे। कार्यक्रम में बोलते हुए कुलपति प्रो श्री निवास सिंह ने कहा कि अकादमिक दुनिया में शोध आज के समय की महत्वपूर्ण ज़रूरत है। और शोध के लिए शोध प्रविधियों का ज्ञान बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के विकास के कारण अब बहुत से ऐसे सॉफ्टवेयर हैं जो शोधकर्ताओं की मदद के लिए विकसित किए गए हैं जो शोध में सहायक हैं। नई पीढ़ी के शोधकर्ताओं को इन सॉफ्टवेयर्स का ज्ञान होना लाभकारी है। उन्होंने यह भी कहा कि शोध करना तो महत्वपूर्ण है ही, उसके साथ ही अपने शोध को वैज्ञानिक समुदाय और आम जनता के बीच पहुंचाने के लिए शोध पत्र कैसे लिखें इसका ज्ञान नितांत आवश्यक है और सभी शोधकर्ताओं को अपने शोध को कैसे प्रस्तुत करें ये अवश्य जानना चाहिए। विशिष्ट अतिथि प्रो जी पी साहू ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम विषय अत्यंत प्रासंगिक है क्योंकि शोध प्रविधि सभी अनुशासनों के लिए महत्वपूर्ण है। और आने वाली दुनिया शोध आधारित होगी। डॉ रवि कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उद्घाटन समारोह के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ सुधीर नारायण सिंह ने मुख्य अतिथि को स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मानित किया| इस पांच दिवसीय कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि एमएमएमयूटी के शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो डी के द्विवेदी रहे जबकि जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो संजय मेधावी मौजूद रहे| समापन समारोह में बोलते हुए प्रो द्विवेदी ने कहा कि इक्कीसवीं शताब्दी ज्ञान की सदी है और नए शोध से ही नए ज्ञान का सृजन होगा| जो व्यक्ति, समुदाय और देश शोध में जितना आगे होगा वह दुनिया में भी आगे होगा| और गुणवत्तापूर्ण शोध वही कर पाएगा जिसे शोध प्रविधियों का अच्छा ज्ञान होगा| इस अर्थ में यह पांच दिवसीय कार्यक्रम उभरते हुए युवा शोधकर्ताओं के लिए अत्यंत उपयोगी है| विशिष्ट अतिथि प्रो मेधावी ने कहा अकादमिक दुनिया में सफल रहने के लिए शोध करना तो महत्वपूर्ण है ही, साथ ही अपने शोध को वैज्ञानिक समुदाय और आम जनता के सरोकारों से जोड़ना और उनके बीच पहुँचाना भी महत्वपूर्ण है| आम जन तक अपनी बात पहुँचाने के लिए शोध पत्र कैसे लिखें इसका ज्ञान नितांत आवश्यक है और सभी शोधकर्ताओं को अपने शोध को कैसे प्रस्तुत करें ये अवश्य जानना चाहिए। समापन समारोह के दौरान अतिथियों ने देश-प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों से आये 150 प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र वितरित किये| पांच दिनों तक चले इस आयोजन में 10 विशेषज्ञों ने शोध प्रविधि, शोध प्रस्तुतीकरण आदि विषयों का 20 सत्रों में प्रशिक्षण दिया| कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से एमएनएनआईटी प्रयागराज के प्रो जी पी साहू ने 'राइटिंग एंड कम्यूनिकेटिंग रिसर्च' विषय पर;

नए शोध से होगा ज्ञान का सृजन : प्रो. डीके द्विवेदी

गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानविकी एवं प्रबंध विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित 'रिसर्च मेथड्स एंड डेटा एनालिसिस यूजिंग' विषयक लघु कालिक पाठ्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता प्रो. डीके द्विवेदी ने कहा कि नए शोध से ही नए ज्ञान का सृजन होगा। जो व्यक्ति समुदाय और देश शोध में जितना आगे होगा, वह दुनिया में भी आगे होगा। विशिष्ट अतिथि प्रो. संजय मेधावी ने कहा अकादमिक दुनिया में सफल रहने के लिए शोध करना तो महत्वपूर्ण है ही, साथ ही अपने शोध को वैज्ञानिक समुदाय और आम जनता के सरोकारों से जोड़ना और उनके बीच पहुंचाना भी महत्वपूर्ण है। विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर नारायण सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। 100 से अधिक को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो अजेय गुप्ता ने 'रिसर्च डिजाईन' पर; एमएनएनआईटी प्रयागराज के डॉ राकेश कुमार ने 'हाइपोथीसिस फार्मूलेशन' विषय पर; बीएचयू के प्रो पीयूष कान्त राय ने 'पैरामीट्रिक एंड नॉन पैरामीट्रिक टेस्ट्स' पर; शकुन्तला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के प्रो नागेन्द्र यादव ने 'क्वेशचनायर डेवलपमेंट एंड डेटा यूज़' विषय पर; लखनऊ विवि के प्रो एस के कौशल ने 'एक्स्प्लोरेटरी फैक्टर एनालिसिस' विषय पर; लखनऊ विवि के प्रो संजय मेधावी ने 'क्वालिटेटिव रिसर्च' विषय पर जबकि एमएमएमयूटी के डॉ सुधीर नारायण सिंह ने 'राइटिंग रिसर्च पेपर' विषय पर व्याख्यान दिए|

****